

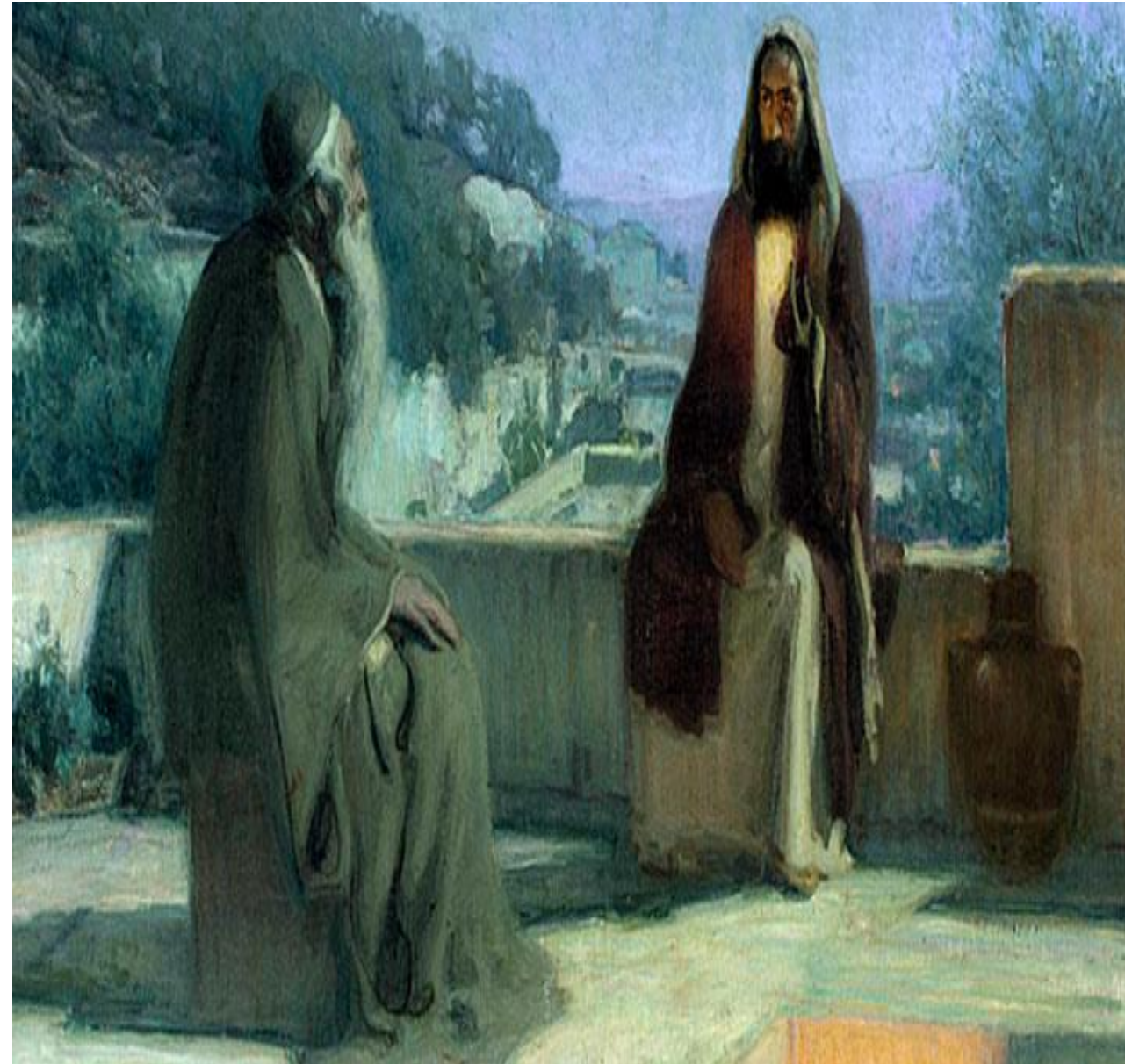
A visitor in the night.  
Who is that?

रात में एक आगंतुक  
वह कौन था?

# Who was Nicodemus?

Please read (John 3:1-21)

- वह एक फरीसी था।
- वह यहूदी शासक परिषद का सदस्य भी था, जिसे संहेद्रिन कहा जाता था।
- उसके पास शायद कुछ संपत्ति भी थी,
- यीशु से एक सवाल पूछने आया था।



■ Why did Nicodemus come?

नीकुदेमुस क्यों आया?

■ When did he come?

वह कब आया?

■ What was he interested in?

उसकी क्या दिलचस्पी थी?

■ Is something bothering him?

क्या कुछ उसे परेशान कर रहा है?

■ What was the reply of Jesus?

यीशु का उत्तर क्या था?

■ What is the meaning of born again?

फिर से जन्म लेने का क्या अर्थ है?

■ How can a person be born again?

एक व्यक्ति फिर से कैसे पैदा हो सकता है?

कुछ प्रश्न आप के लीये ??



# Three reasons why you cannot understand the term “Born again.”

1) **Pride-**

गर्व

we think we can make it in this life on our own.

2) **Un-belief-**

अविस्वास

we don't really believe this is the inerrant Word of God.

3) **Laziness-**

आलसी

we don't feel like reading.

Did Nicodemus understand?

Look at the picture a completely new and fresh plant.





# What examples did Jesus give?

## i. **Wind.** हवा (3:6ए)।

- Your feeling, your experience, when you are actually there.

आपकी भावना, आपका अनुभव, जब आप वास्तव में वहां होते हैं।

- **Holy Spirit is often referred as wind.**

पवित्रात्मा को कई बार हवा से संबोधित किया गया है।

(Job 33:4; Jn.20:22; Acts 2:2)



## ii **Flesh.** मांस। (3:6a). **शरीर**

- You literally experience in your body. It is not a trance or something like yoga.

आप सचमच अपने शरीर में अनुभव करते हैं। यह कोई समाधि या योग जैसा कुछ नहीं है।

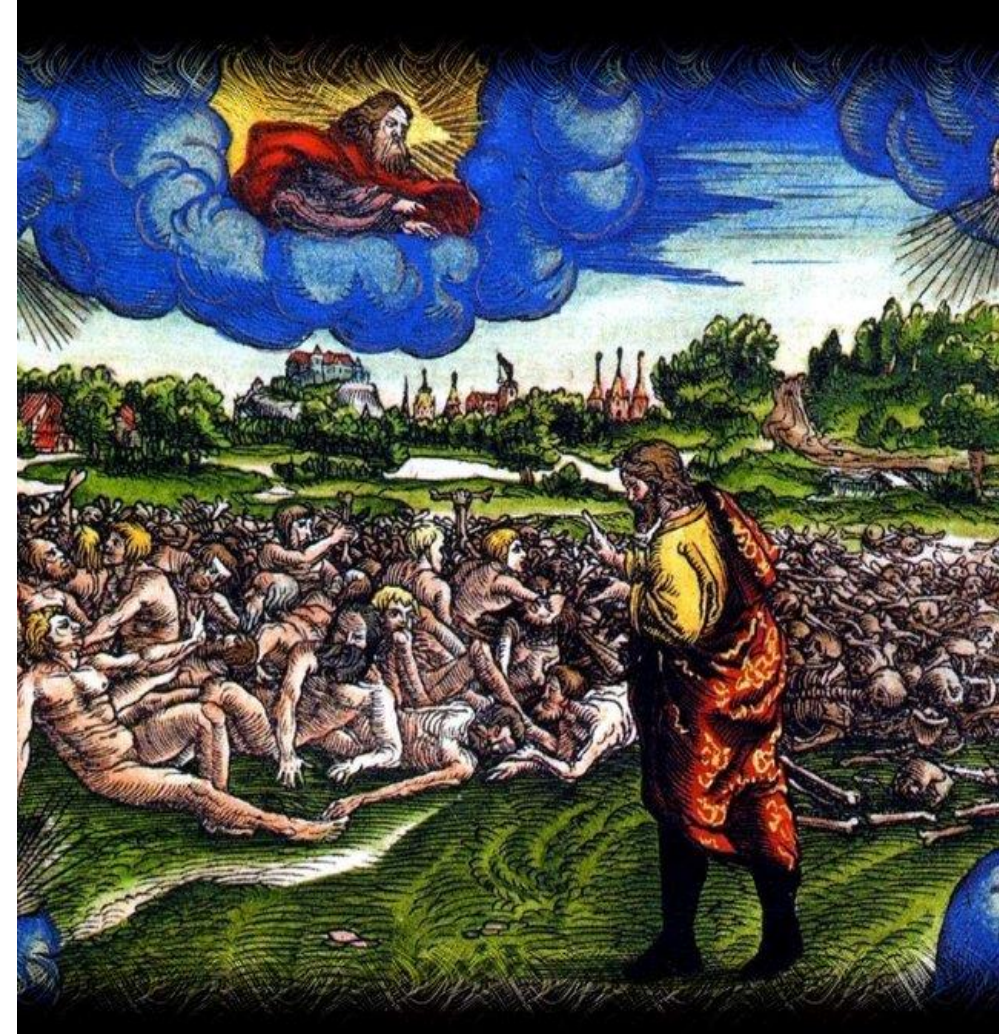
## iii **Spirit.** (3:6b): **आत्मा**

- Spirit was dead, but made alive when are reborn.

आत्मा मर गई थी, लेकिन नया जन्म होने पर जीवित हो गई।

नीकडेमस को शायद यहजेकेल नबी के वचन शायद याद आई होंगी। (Eze.37:1-14).

## Ezekiel 37:1-14)

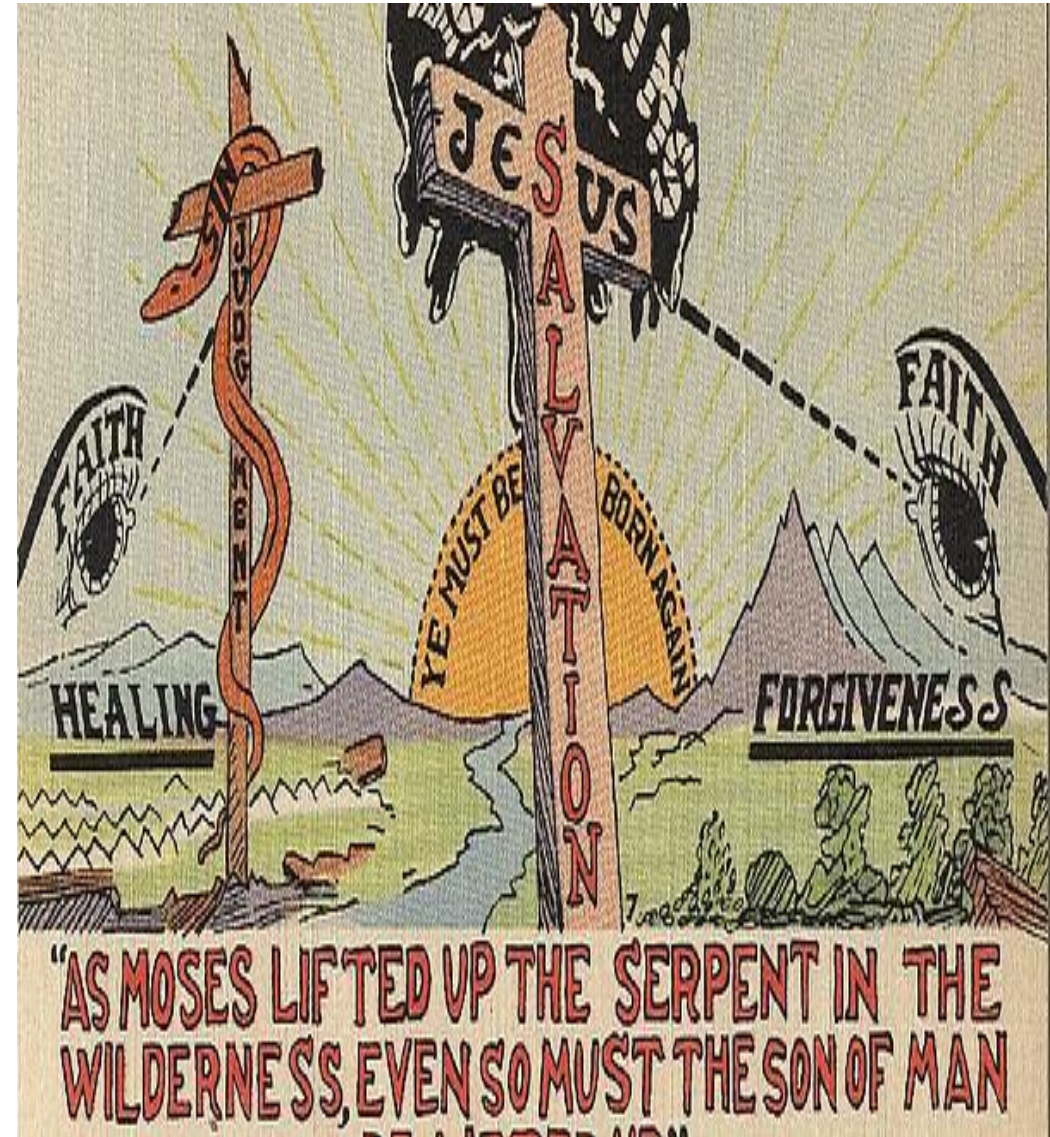




## More examples: (3:14-15)

As in the days of Moses.

- People died of God's judgement. People are bitten by sin and died.
- Moses lifted up the bronze serpent to have faith and healing for a few people.
- Jesus sacrificed Himself for the Salvation and forgiveness of all the mankind.
- As Moses asked them to look up to the bronze pillar, we need to look up to the crucified Christ.



## Why did Jesus come (3:16)? Human condition

### 1. Spiritual alienation - आत्मिक विच्छेदन / अलगाँव

- (Isa.64:6): But we are all like an unclean thing, And all our righteousness's are like filthy rags.

हम तो सब के सब अशुद्ध मनुष्य के से हैं, और हमारे धर्म के काम सब के सब मैले चिथड़ों के समान हैं।

- (Rom.3:10-12) : “There is none righteous, no, not one.”

जैसा लिखा है, कि कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं। कोई समझदार नहीं, कोई परमेश्वर का खोजने वाला नहीं। सब भटक गए हैं, सब के सब निकम्मे बन गए, कोई भलाई करने वाला नहीं, एक भी नहीं।

- (Eph.2:1, 5): we were dead in trespasses and sins.

देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।

- (Eph.2:3b): By nature, we were the objects of wrath.

लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।



- (1 Pet.4:3) For we have spent enough of our past lifetime in doing the will of the Gentiles.

क्योंकि अन्यजातियों की इच्छा के अनुसार काम करने, और लुचपन की बुरी अभिलाषाओं, मतवालापन, लीलाक्रीड़ा, पियक्कड़पन, और घृणित मूर्तिपूजा में जहां तक हम ने पहिले समय गंवाया, वही बहुत हुआ ।

## 2. मनुष्य-मनुष्य के सात विच्छेदन / अलगाँव (Social alienation)

- (Gen.6:5): Then the LORD saw that the wickedness of man was great in the earth, and that every intent of the thoughts of his heart was only evil continually.

और यहोवा ने देखा, कि मनुष्यों की बुराई पृथ्वी पर बढ़ गई है, और उनके मन के विचार में जो कुछ उत्पन्न होता है सो निरन्तर बुरा ही होता है।

- (Ps.51:5): Behold, I was brought forth in iniquity, And in sin my mother conceived me. देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।

### 3. मन और शरीर की विच्छेदन / अलगाव (Psychological alienation)

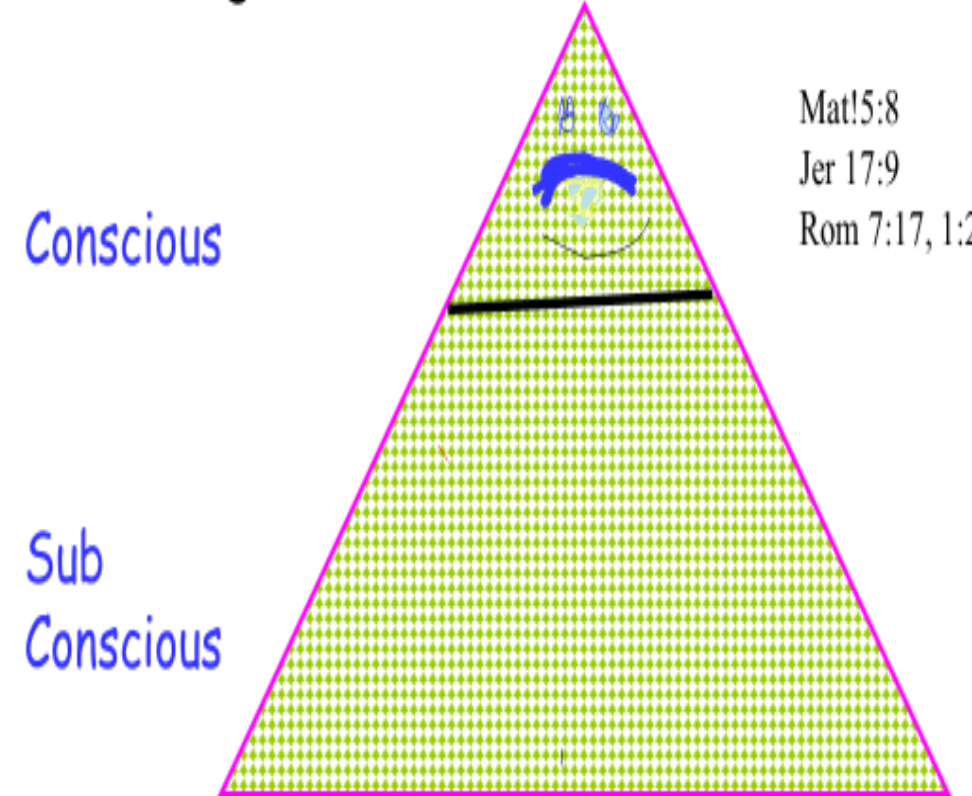
- (Rom.7:15): What I want to do I do not do, but what I hate I do.

और जो मैं करता हं, उसको नहीं जानता, क्योंकि जो मैं चाहती हं, वह नहीं किया करता, परन्तु जिस से मुझे घृणा आती है, वही करता हूँ।

- (Jer.17:9): The heart is deceitful above all things, And desperately wicked.

मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखा देने वाला होता है, उसमें असाध्य रोग लगा है; उसका भेद कौन समझ सकता है?

मनुष्य का हृदय/मानसिक सन्तुलन



Mat!5:8  
Jer 17:9  
Rom 7:17, 1:29-32

मानसिक तनाव, अशान्ती, धुख, पुराना अनुभव, धुष्टात्मा के सम्पर्क, भायानक विचार आदी।

## 4. प्राकृतिक विच्छेदन / अलगाँव (Cosmological/nature alienation)

Ex: deforestation in the name of industrialisation, development, pollution of earth.

more blood spilled on this earth in this century,

more diseases due to our sins.

AIDS, Cancer, Ozone layer depletion, now Covid-19 Pandemic etc.





# The fallen Nature of man टूटा हुआ जीवन (a Broken Mirror)

**SPIRITUAL ALIENATION (आत्मिक विच्छेदन )**

स्रष्टी  
के  
सात

C  
O  
S  
M  
O  
L  
O  
G  
I  
C  
A  
L



**PSYCHOLOGICAL ALIENATION- मानसिक**

S  
O  
C  
I  
A  
L  
O  
G  
I  
C  
A  
L

मनुष्य  
-  
मनुष्य  
के  
सात

**(3:16-21)**

**Jesus Christ came to restore this broken relationship through His death on the Cross.**

**Jesus Christ has granted Salvation, which is a Reconciliation on all the 4 sides viz,**

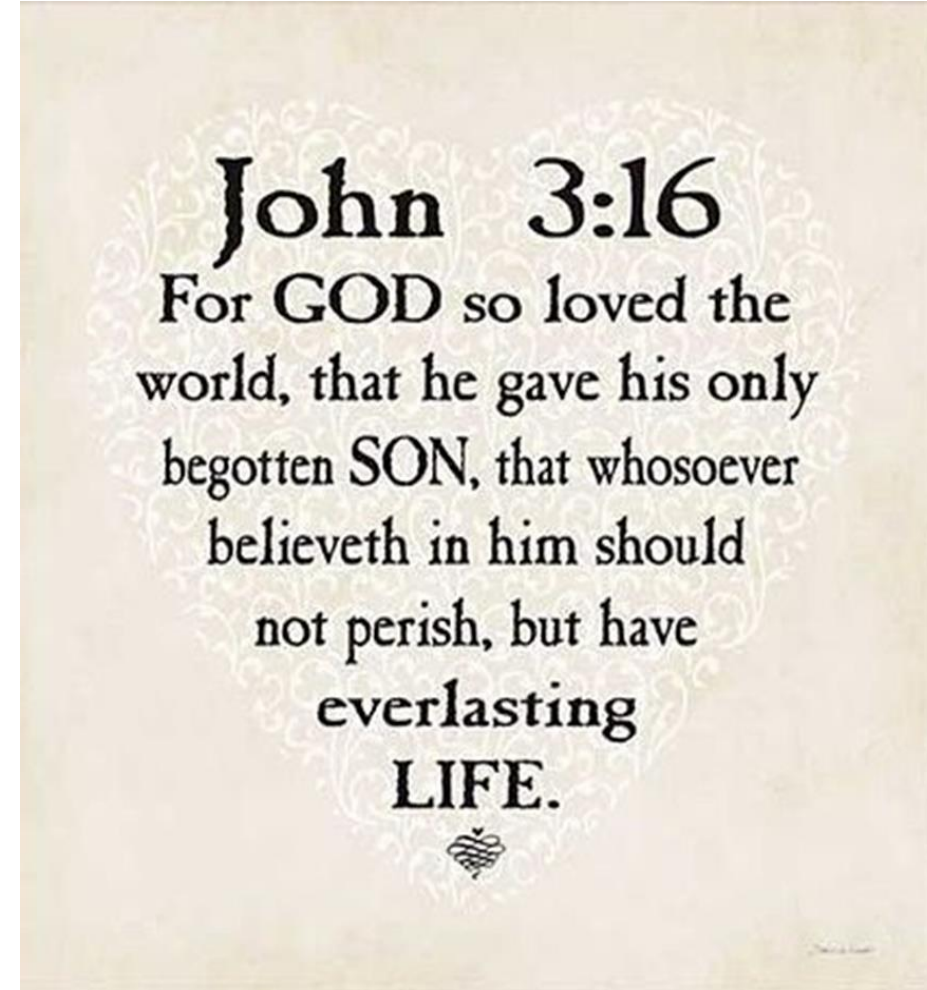
**a) Reconciliation with God: परमेश्वर के सात, मेल-मिलाप**

**2 Cor.5:19, Col.1:19.**

- **Forgiveness: 1 Jn.1:9, Rom.3:24-26, Eph.1:7**
- **Justified before God :Rom.5:10,11.**



- **b) Reconciliation with others :** (दूसरों के सात - मेल मिलाप) Eph.2:14-16.
- **c) Reconciliation with self:** मन और शरीर के सात - मेल-मिलाप  
New-birth Jn.3:3-5, 2cor.5:17
- **d) Reconciliation with the world:** सृष्टी के सात - मेल-मिलाप  
New heaven, new earth which Christ has promised.





## A New life begins:

(Rom.10:9-10)

- Declare with your mouth, "Jesus is Lord," अपने मुंह से घोषणा करें, "यीशु प्रभु हैं,"
- अपने दिल में विश्वास रखो कि परमेश्वर ने उसे मृतकों में से उठाया है, तुम बच जाओगे।
- बाइबल कहती है: "जो कोई भी उस पर विश्वास करता है, उसे कभी शर्मिंदा नहीं किया जाएगा।"
- पुरानी पाप की पुरानी गुलामी दूर हो गई है।
- नए जीवन की व्यवहार और कार्य शुरू होंगे



# How it is possible? (2 Cor.5:17)

“सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।

Seven changes in your life:

- 1) **नए विचार:** एक रूपांतरित व्यक्ति के पास नए विचार और विचार होंगे। दूसरों को पाप करने या दूसरों को दुःखी करने की उनकी पुरानी सोच खत्म हो गई है।
- 2) **नई गतिशीलता:** व्यक्ति गतिशील, विनम्र और सरल जीवन और उच्च सोच वाला होता है। वह निराशा या हताशा से प्रभावित नहीं है। जैसे Covid-19 के समान ।



- 3) **नई प्रेरणा:** एक परिवर्तित व्यक्ति को मसीह के लिए जीने की नई प्रेरणा होगी।
- 4) **नई दिशा:** प्रभु ने उसकी दिशा बदल दी। उनके नया जन्म होने के पहले उनकी दिशा सांसारिक जुनून की ओर थी, लेकिन अब उनकी दिशा ईश्वरीय है।
- 5) **नया रूप और आकर्षण:** लोग देखकर आश्चर्य होंगे उनका व्यवहार बदलावट से। वह एक अलगी व्यक्ति के समान होंगे। लोग उसकी सराहना करेंगे।
- 6) **नए कर्म (कार्य):** वह हमेशा दूसरों के लिए और बड़े पैमाने पर समाज के लिए कुछ लाभकारी काम करता है। वह अपने कामों में सक्रियता होता है।
- 7) **नया जीवन:** उसका जीवन पूरी तरह से बदल जाता है। वह प्रभु यीशु मसीह में एक नई सृष्टि है। वह खुशी, खुशी से भरा हुआ है क्योंकि उसका जीवन प्रभु यीशु मसीह में सुरक्षित है।



# निकुदेमस क्या सीखा?

- वह अरिमथिया के यूसुफ के साथ यीशु को क्रूस से नीचे ले गया और उसके शरीर की देखभाल की।
- शुरुआत में, निकुदेमस रात में यीशु के पास आया, चुपके से। खुद को कोई परेशानी नहीं पैदा करना चाहता है।
- पॉंतियस पिलातुस ने उसे एक निर्दोष व्यक्ति घोषित किया।
- निकुदेमस ने एक साहसिक कदम और विश्वास का एक कदम उठाया है।
- अब वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह यीशु मसीह का सेवक है।

(Read: Jn.19:38-39)



# What about your life?

- i. क्या आप यीशु से नीकुदेमुस की तरह बात करने से डरते हैं?
- ii. क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु आपको बचा सकता है? और आपको एक नया जीवन प्रदान कर सकता है?
- iii. आपको क्या लाभ मिलेगा?



May the Lord bless you.  
प्रभु आप सभों को अशीश देवे.

For more details, please visit:

[www.katibibletitbits.com](http://www.katibibletitbits.com)